UP Board Notes Class 6 Sanskrit Chapter 14 रक्षाबन्धनम्

शब्दार्थाः

पूर्णिमायां तिथौ = पूर्णिमा तिथि को
स्नाजानाम् = अपने छोटे भाइयों के
अग्रजः = पहले जन्मे हुए
बध्यन्ति = बाँधते हैं
या कापि = जो कोई
यस्य कस्यापि = न किये जाने वाले कर्मों को
निषिद्धकार्याणि = जिनको नहीं किया जाना चाहिए
अनुस्मरन्ति = याद करते हैं
प्रायश्चित्तम् = किये गये निषिद्ध कर्मों का परिशोधन
अनुलेपन् = बाद में लेपन करना
असत्यकार्याणि = अनुचित कार्य
खलु = निश्चय ही
संस्कृतदिवसरूपेणोद्घोषितः = संस्कृत-दिवस के रूप में घोषित।

रक्षाबन्धनं पर्व ..... करोति।

हिन्दी अनुवाद – रक्षाबंधन पर्व श्रावण मास की पूर्णिमा तिथि में होता है। इस तिथि में बहनें अपने छोटे भाइयों और बड़े भाइयों के दाहिने हाथों पर रक्षासूत्र (राखियाँ) बाँधती हैं। बहनें भाइयों को, छात्राएँ छात्र को, देश के नागरिक सैनिकों को राखियाँ बाँधकर एक दूसरे की रक्षा करने का संकल्प लेते हैं। इस दिन जो कोई भी लड़की जिस किसी भी पुरुष के हाथ में राखी बाँधती है, वह पुरुष उस लड़की के प्रति भाई जैसा व्यवहार करता है।

भारतस्ये ..... अकरोत्

हिन्दी अनुवाद – भारत के मध्यकाल के इतिहास में रक्षाबन्धन है। चित्तौड़ नगर की हिन्दू रानी कर्मवती ने हुमायूँ नाम के मुसलमान शासक को अपना भाई मानकर उसके पास राखी भेजी। उस सम्मट (हुमायूँ) ने राखी स्वीकर करके उस (कर्मवती) के सम्मान की रक्षा की। गुजरात नरेश के साथ युद्ध में (हुमायूँ) चित्तौड़ नगर की सहायता की।

रक्षाबन्धनदिवसे .....बहनाति।

हिन्दी अनुवाद – रक्षाबन्धन के दिन ही 'उपाकर्म संस्कार का भी विधान है। इसके लिए धार्मिक लोग पुरोहित के साथ नदी किनारे या पवित्र तालाब जाते हैं। वहाँ पूरे वर्ष किये गये निषिद्ध कार्यों को (जो कि करने नहीं चाहिए थे, पर किये गये) याद करते हैं। और फिर से वे असत् कार्य (निषिद्ध कार्य न हों, ऐसा प्रायश्चित करते हैं व औषधियों का अनुलेपन करके जल में बहुत (कई बार स्नान करते हैं। इसका (ऐसा) महत्व जानकर भारत सरकार द्वारा यह दिवस (संस्कृत दिवस) के रूप में उद्घोषित है। क्योंकि संस्कृत पूरे देश को एकता के सूत्र में बाँधती है।

https://www.evidyarthi.in/